www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
26 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 62 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमेजन ने मिलाया पीएम मोदी से हाथ

- भारत में 4,50,000 करोड़ निवेश करेगी कंपनी, 38 लाख नौकरियों के अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के सीईओ अमेजन एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान जेसी ने भारत के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। जेसी ने कहा कि अमेजन भारत में अपने विस्तार और कारोबार को सपोर्ट करने के लिए साल 2026 से 2030 तक कुल 48 अरब डॉलर (करीब 4.50 लाख करोड़ रुपये) निवेश करेगी। इससे लाखों नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

जेसी ने देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए साल 2030 तक अतिरिक्त 13 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एंडी ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेजन के भारत में भविष्य की योजनाओं को लेकर हुई मुलाकात बेहद अच्छी रही। हम एक दशक से अधिक समय से भारत में ग्राहकों, विक्रेताओं, डेवलपर्स, स्टार्टअप्स और उद्योगों को सेवाएं दे रहे हैं और अभी हमारी यात्रा की शुरुआत ही हुई है।

केतन की हत्या के पहले सिया-चेतन कैफे में मिले थे

- यहीं मर्डर का प्लान बनाया, सिया बोली- शादी से इनकार किया था, केतन नहीं माना

पुणे (एजेंसी)। पुणे केतन मर्डर केस में नया वीडियो सामने आया है। केतन की हत्या के एक दिन पहले 17 जून को आरोपी सिया और प्रेमी चेतन चौधरी एक कैफे में मिले थे। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि यहीं लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धक्का देने का प्लान बनाया था।

दोनों ने वह पॉइंट भी ढूंढ लिया, जहां से केतन को धक्का देना था। यदि केतन इससे भी बच जाता तो 20 जून के बाद सड़क हादसे में मारने का बैकअप प्लान तैयार था। दरअसल, 31 मई को सिया और मंगेतर केतन लोहगढ़ किले गए थे। वहां केतन एक खतरनाक जगह बैठा था। तभी सिया को उसे मारने का आइडिया आया। 14 जून को भी केतन को धक्का देने की कोशिश की गई थी। उस समय सिया ने सांप दिखने का बहाना बनाकर घटना को हादसा बताने की कोशिश की थी, लेकिन केतन बच गया था।

मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

- ट्रक में घुसी कार, चार की मौत, दो की हालत गंभीर

मंदसौर (एजेंसी)। मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई। सीतामऊ थाना पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली मोबाइल इक्विपमेंट का सामान लेने जा रहे थे, लेकिन इस बीच तितरोद में हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के मुताबिक, परिजनों को सूचना दे दी गई है। संभवत: वह गुरुवार देर रात या शुक्रवार सुबह तक मंदसौर पहुंचेंगे, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू होगी। चारों शवों को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही रखा गया है।

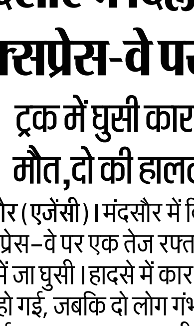

जयपुर में 2 करोड़ का रोबोट करा रहा एक्सरसाइज

मरीज के मूवमेंट पर बारीकी से रख रहा नजर, एसएमएस हॉस्पिटल में शुरुआत

जयपुर (एजेंसी)। बीमारी की वजह से खुद एक्सरसाइज न कर पाने वाले मरीजों को रोबोट एक्सरसाइज करा रहा है। इसके लिए सवाई मान सिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के रीजनल रिहैबिलिटेशन सेंटर में करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से रोबोटिक फिजियोथेरेपी की शुरुआत हो चुकी है।

दावा किया जा रहा है कि यह फिजियोथेरेपी पैरालाइसिस, स्पाइनल इंजरी, ब्रेन इंजरी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे मरीजों के लिए मददगार साबित हो रही है। इसकी खास बात यह है कि एक बार तय एक्सरसाइज का कमांड देने के बाद जितने चाहो उतने मूवमेंट कराए जा सकते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि पैरालाइसिस, स्पाइनल इंजरी, ब्रेन इंजरी जैसी बीमारियों में फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा मरीजों को लगातार एक्सरसाइज कराना चुनौती भरा होता है। लकवा या स्पाइनल इंजरी के मरीजों को रोजाना एक्सरसाइज कराना जरूरी होता है, ताकि शरीर का मूवमेंट बना रहे। वे रिकवर कर सकें। इसके लिए रोबोटिक फिजियोथैरेपी गेम चेंजर साबित हो रही है।

रोबोट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रोग्रामिंग क्षमता है। फिजियोथेरेपिस्ट को केवल एक बार मरीज की स्थिति और आवश्यकता के अनुसार डेटा सेट करनी पड़ती है। इसके बाद यह मशीन खुद-ब-खुद तय मानकों के अनुसार मरीज को एक्सरसाइज कराती है। मशीन यह सुनिश्चित करती है कि हर मूवमेंट बिल्कुल सटीक हो। इससे मरीज की रिकवरी तेज गति से होती है।

चुनौती - मरीजों के हिसाब से 1 रोबोट नाकाफी

रीजनल रिहैबिलिटेशन सेंटर की ओपीडी में रोजाना 300-350 मरीज आते हैं, जबकि आईपीडी में 60 मरीज होते हैं। एक मरीज की थेरेपी में करीब 45 मिनट लगते हैं। जिस अनुपात में मरीज आते हैं, उस हिसाब से तो सिर्फ 1 रोबोट नाकाफी है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि ये शुरुआत है, भविष्य में और बढ़ाए जा सकते हैं। रोबोट से किस मरीज की थेरेपी होगी, यह डॉक्टर तय करते हैं।

आसानी से कराई जा सकती है एक्सरसाइज: डॉ. जोशी

एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी बताते हैं- रोबोट से अपर और लोवर लिम्ब की एक्सरसाइज बड़ी आसानी से कराई जा सकती है। इससे उन मरीजों को फायदा होगा, जो बिल्कुल भी मूवमेंट नहीं कर सकते हैं। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि एक सामान्य इंसान जिसे कोई काम करना है तो सबसे पहले ब्रेन एक्टिव होता है। फिर बॉडी तय करती है कि कौन-कौन सी मांसपेशियां इसमें काम करेंगी। फिर पूरे कॉर्डिनेशन के साथ बॉडी रेस्पॉन्ड करती है। किसी को स्ट्रोक, ब्रेन इंजरी या कोई अन्य गंभीर बीमारी होती है तो ये कॉर्डिनेशन बिगड़ जाता है। ऐसे मामलों में लगातार मूवमेंट से ये कॉर्डिनेशन रोबोट के जरिए हो सकेगा। इससे न सिर्फ मांसपेशियों में सुधार हो सकता है बल्कि मांसपेशियों और ब्रेन का कॉर्डिनेशन भी बेहतर हो सकता है। रोबोट मरीज के मूवमेंट पर बारीकी से नजर रखता है और जरूरत के अनुसार उसे नियंत्रित करता है।

वेनेज़ुएला में आया विनाशकारी भूकंप

- अब तक 164 की मौत, 971 घायल, 1,00,000 मौतों की आशंका, आपातकाल घोषित

वेनेज़ुएला में भूकंप के समय ज्यादातर लोग घरों में थे, आजादी की लड़ाई की सालगिरह पर दफ्तर-स्कूल बंद थे

कराकस, वेनेजुएला (एजेंसी)। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। मीडिया सूत्रों के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं।

ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 प्रतिशत आशंका है। वहीं, 30 प्रतिशत आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं।

- पीएम मोदी ने विनाशकारी भूकंप पर जताया दुख

मदद का दिया भरोसा, वेनेज़ुएला ने मोदी को मदद के लिए कहा धन्यवाद- पीएम मोदी ने वेनेज़ुएला में आए महाविनाशकारी भूकंप पर दुख जताता है और कहा है कि भारत हर संभव मदद के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से मैं वेनेज़ुएला सरकार से दुख व्यक्त करता हूं। खासतौर पर उन लोगों से जिन्होंने अपने करीबी लोगों को खो दिया। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत संकट की इस घड़ी में वेनेज़ुएला की जनता के साथ खड़ा है। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्त संवेदना और सहायता के आश्वासन का वेनेज़ुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने स्वागत किया। उन्होंने भारत के प्रति आभार व्यक्त किया और इस कठिन समय में समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी की पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनाओं का दिल से स्वागत करते हैं, उन्होंने हमारे देश में आए विनाशकारी भूकंप से मची तबाही को लेकर अपनी संवेदनाएं जाहिर कीं और भारत की ओर से राहत कार्यों में मदद करने की इच्छा जताई।

- नेपाल में सुबह-सुबह कांपी धरती, 3.8 तीव्रता के भूकंप से हड़कंप

नेपाल में गुरुवार सुबह हल्का भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई। यह झटका सुबह 5 :21 बजे आया और इसकी गहराई करीब 25 किलोमीटर थी।

- भरत एनकाउंटर मामले में 8 दिन बाद सीएम सम्राट बोले-

दोषी को सजा होगी

- रिटायर्ड जज से भरत की मां बोलीं-हत्यारों को फांसी हो, प्रशासन गुंडा है, एसडीएम को भी फंदे से लटकाओ

पटना/भोजपुर (एजेंसी)। भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर के 8 दिन बाद सीएम सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि समस्या यदि सामने आती है तो सरकार तुरंत चिंतित होकर आगे बढ़ेगी। सरकार ने सबसे ऊपर के आयोग का गठन किया है। जो गलत होगा उस पर कार्रवाई होगी।

इधर, भरत तिवारी मुठभेड़ की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा अपनी टीम के साथ भरत तिवारी के गांव बिलौटी पहुंचे।

उनके साथ शाहबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, भोजपुर के डीएम तनय सुल्तानिया, भोजपुर के एसपी राज समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद हैं। रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने भरत तिवारी के

माता-पिता और भाई से भी मुलाकात की है। साथ ही वारदात से जुड़े जगहों का निरीक्षण किया। विनोद कुमार सिन्हा से मुलाकात के बाद भरत तिवारी की मां आशा देवी ने बताया, उन्होंने मुझसे कहा कि आप लिखकर दीजिए क्या चाहती हैं।

जयपुर के मुहाना से 4 भाई-बहन अचानक गायब

जयपुर(एजेंसी)। राजधानी जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे पुलिस महकमे और स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी है। एलएनटी रोड के पास रहने वाले दो सगे भाइयों के परिवारों के चार मासूम बच्चे अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गए हैं। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे ट्यूशन से लौटने के बाद घर से निकले ये बच्चे देर रात तक वापस नहीं लौटे। जब आस-पास की हर संभावित जगह पर तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो बदहवास परिजनों

- ट्यूशन से लौटे और फिर घर नहीं आए

ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। लापता बच्चों में अनिरुद्ध साहनी की बेटियां अंशिका (13) व आराध्या (9) और पप्पू साहनी की बेटी सलोनी (11) व बेटा सचिन (8) शामिल हैं।

चूड़ी की दुकान पर रुके, फिर लिया ई-रिक्शा?-मामले की गंभीरता को देखते हुए मुहाना

थानाप्रभारी गुर भूपेंद्र ने तुरंत विशेष टीमों का गठन किया। जब पुलिस ने इलाके के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की, तो बच्चों के लापता होने के रूट को लेकर कुछ बेहद महत्वपूर्ण और चौंकाने वाले सुराग हाथ लगे।

गोदाम हादसे में मौतों का आंकड़ा 11 पहुंचा

- मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए सेना का ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम ढहने के हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हादसे के दूसरे दिन भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान जारी है। सेना ने सर्च ऑपरेशन में अत्याधुनिक ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार सिस्टम भी तैनात किया है। गुरुवार सुबह मलबे से पांच और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके साथ ही अब तक मलबे से निकाले गए लोगों की कुल संख्या 30 हो गई है।

अपहरण, दरिंदगी और कत्ल

दर्दभरी चीखें, बेबसी और रहम की गुहार, कार में हैवानियत, चिल्लाने पर मासूम का मर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर शर्मसार हुई है। महरौली इलाके से कैब चालक ने मासूम का अपहरण कर लिया। इसके बाद उसके साथ हैवानियत की और फिर मार डाला। जिस समय बच्ची का अपहरण किया गया, वह फुटपाथ पर सो रही थी। कैब के चलने पर बच्ची की नींद खुली तो वो हैरानी से चिल्लाई। इस पर आरोपी ने घुमाकर परिवार के पास छोड़ने का भरोसा दिया था।

दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके 11 साल की मासूम बच्ची के अपहरण, उसके साथ दरिंदगी और फिर बेरहमी से हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी वासू सिंह उर्फ बब्लू ने जिस नृशंसता से इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया, उसका कबूलनामा सुनकर पुलिसकर्मियों के भी रोंगटे खड़े हो गए।

हवस में अंधे हो चुके आरोपी ने छत्तरपुर रोड पर मांडी गांव के बाद कैब सुनसान जगह पर रोकी और बच्ची से दुष्कर्म किया। इस दौरान बच्ची की दर्दभरी चीखों, उसकी बेबसी और रहम की गुहार से भी वह नहीं पिघला। उसने मासूम की अस्मिता को रौंदा और अपनी करतूत छिपाने के लिए दर्द से बिलखती नाबालिग की सांसें भी छीन लीं। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी वारदात से पहले गांजे के नशे में था। उसने बच्ची अपनी मां, तीन बहन-भाई के बाद पांचवें नंबर पर सोता देख उसे कैब में लिटा लिया और गाड़ी गुरुग्राम की ओर मोड़ दी। इस बीच बच्ची की नींद खुली और खिड़की से बाहर देख वह पापा...पापा .. चिल्लाने लगी। आरोपी ने उसे कहा कि वह घुमाकर परिवार के पास छोड़ देगा।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक बच्ची की आवाज सुनकर उसके पिता ने कार का पीछा भी किया और बदहवास हालात में जहां परिवार सो रहा था वहां आया और अपहरण की जगह पर सो रहे बुजुर्ग से कार चालक के बारे में पूछा लेकिन वह कुछ बता नहीं आए। इस पर पीड़ित परिवार ने करीब 5:30 बजे पुलिस को सूचना दी।

महरौली थानाध्यक्ष रितेश शर्मा और इंस्पेक्टर लॉ एंड ऑर्डर अजय यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी कैमरों से पुलिस को काफी सुराग मिल गए थे। इधर, आरोपी वासू सिंह बच्ची की हत्या करने के बाद शव कार की पिछली सीट पर रखा और 10 से 12 किलोमीटर दूर फरीदबाद -गुरुग्राम रोड पर सुशांत लोक के नजदीक जंगल में ले गया। बच्ची के शव को झाड़ियों और पत्थरों से ढक दिया था। यहां से गुरुग्राम के चक्करपुर स्थित अपने कमरे पर पहुंचा था और सामान्य दिनचर्या शुरू कर दी थी।

वारदात के पौन घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी

महरौली में बच्ची के साथ दुष्कर्म व हत्या करने की वारदात के बाद ही आरोपी ने पौने घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी। उसने सोमवार सुबह 7 बजे गुरुग्राम के चक्करपुर से दिल्ली के नांगलोई की बुकिंग ली थी। नांगलोई में सवारी को छोड़कर वह विकासपुरी आ गया और यहां वह अगली बुकिंग का इंतजार करने लगा। यहां से मोबाइल लोकेशन व कंपनी से ली गई डिटेल के आधार पर आरोपी को विकासपुरी से पकड़ लिया।

एक नजर

उत्तराखंड, यूपी और मुंबई में आरोपियों की 23 संपत्तियां अटैच, 25 करोड़ रुपये है कीमत

देहरादून। एलयूसीसी चिटफंड घोटाले में आरोपियों की 23 संपत्तियों को स्पेशल बड्स एक्ट के तहत अटैच कर लिया गया है। स्पेशल बड्स एक्ट न्यायालयों ने 25 करोड़ रुपये की कीमत वाली इन संपत्तियों को अटैच करने की अनुमति सीबीआई और संबंधित राज्यों के शासन को दे दी है। इनमें छह संपत्तियां देहरादून और 16 संपत्तियां उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित हैं। जबकि, एक संपत्ति मुंबई खरीदी गई थी।

सीबीआई ने इस अटैचमेंट की कार्रवाई की जानकारी दी। सीबीआई ने पिछले साल नवंबर में उत्तराखंड में दर्ज 18 शिकायतों को आधार बनाकर प्राथमिकी दर्ज की थी। शुरुआत में यह घोटाला 800 करोड़ रुपये का था लेकिन इनमें से करीब 400 करोड़ रुपये निवेशकों को वापस कर दिया गया था।

सीबीआई की अब तक की जांच में घोटाले की रकम करीब 419 करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इस मामले में सीबीआई सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सीबीआई के अनुसार मुख्य आरोपी समीर अग्रवाल जो कि अब दुबई में रह रहा हैं, ने कई संपत्तियां दूसरे लोगों के नाम से खरीदी हैं। इन्हें वह बेचने की फिराक में हैं।

नगरासू प्रकरण, कार्रवाई न होने से प्रदर्शन

देहरादून। नगरासू प्रकरण मामले में निहंगों पर कार्रवाई न होने के विरोध में प्रदर्शन रुद्रप्रयाग गुलाबराय मैदान में लोगों ने प्रदर्शन किया। पौड़ी, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग से भी लोग प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। दूसरी तरफ जिला पंचायत चमोली के बोर्ड की बैठक में कर्णप्रयाग निहंग घटना की जांच चमोली पुलिस को दिए जाने की मांग उठी। वहीं निहंग सिखों के हिमाचल प्रदेश की सीमा से उत्तराखंड में प्रवेश करने की सूचना पर पुलिस अलर्ट पर है। कुल्हाल और डाकपत्थर सीमा पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। आईटीबीपी को सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात किया गया है। निहंगों और स्थानीय लोगों के बीच 16 जून को हुए विवाद के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बुधवार को डीआईजी यशवंत सिंह मामले की जांच के लिए पहुंचे। वे कुछ दिनों तक पुलिस की कार्यप्रणाली की जांच कर रिपोर्ट आईजी को सौंपेंगे। बीते 16 जून को हुए विवाद में दो स्थानीय लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने तीन निहंगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एक निहंग का बेस अस्पताल श्रीनगर में पुलिस की निगरानी में इलाज चल रहा है। सिख समुदाय ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया था। इसके बाद क्रॉस एफआईआर दर्ज की गईं। पूरे प्रकरण में पुलिस की भूमिका और दोनों प्राथमिकी की जांच हरिद्वार पुलिस को सौंपी गई है।

निर्जला एकादशी पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार। निर्जला एकादशी पर श्रद्धालुओं ने धर्मनगरी पहुंचकर गंगा स्नान किया। सुबह से ही हरकी पैड़ी सहित प्रमुख घाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी और गंगा आरती तक सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने पूजन कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। बृहस्पतिवार को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से काफी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। सुबह होते ही हरकी पैड़ी, ब्रह्मकुंड, मालवीय घाट, सुभाष घाट और अन्य प्रमुख घाट श्रद्धालुओं से भर गए। गंगा तट पूरे दिन हर–हर गंगे, जय श्री हरि और हर–हर महादेव के जयघोषों से गुंजायमान रहा। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मनसा देवी, चंडी देवी और अन्य मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। कई श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न कराए।

निर्जला एकादशी पर दान–पुण्य का भी विशेष महत्व देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को अन्न, फल, वस्त्र और शीतल पेय पदार्थ वितरित किए। शहर के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं की ओर से छबील एवं सेवा शिविर लगाए गए, जहां श्रद्धालुओं को शरबत, ठंडा पानी और प्रसाद वितरित किया गया। स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए गए थे। प्रमुख घाटों, मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि स्नान पर्व सकुशल संपन्न हो गया।

मेलाधिकारी ने एनएचएआई को कांवड़ यात्रा से पहले काम पूरा करने की चेतावनी दी

हरिद्वार। मेलाधिकारी सोनिका ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कुंभ क्षेत्र में चल रहे सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे करने को कहा है। मेलाधिकारी ने परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। वहीं, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रिंग रोड बाईपास निर्माण पर कहा कि कांवड़ में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए बाईपास मार्ग को पूरा करना बेहद आवश्यक है। बृहस्पतिवार को हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कार्यस्थलों पर संसाधनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। इसमें निर्माण सामग्री ढोने के लिए अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करने को भी कहा गया। मेलाधिकारी ने हरिद्वार बाईपास–रिंग रोड समेत कई अन्य परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के हरिद्वार स्पर और हरिद्वार–नगीना मार्ग भी इनमें शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से प्रमुख सड़कों पर जाम लग रहा है। इससे सुचारु ट्रैफिक संचालन में बाधा आ रही है। उन्होंने परियोजना निदेशकों को व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया।

रूद्रप्रयाग जनपद में 23014 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी 28 जून को होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसके तहत जनपद में शून्य से 05 वर्ष तक के 23014 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि पोलियो टीकाकरण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को पल्स पोलियो अभियान में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए आपसी समन्वय को मजबूत करने व समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को सक्रिय भागीदारी के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत चार सेक्टर बनाए गए हैं, जिसमें अगस्त्यमुनि सेक्टर में 50 बूथ, जखोली सेक्टर में 101, ऊखीमठ सेक्टर में 65, रूद्रप्रयाग सेक्टर में 82 बूथ सहित कुल 298 पोलियो बूथों के माध्यम से 62273 घरों के कुल 23014 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जानी है।

जिसके लिए 1196 वैक्सीनेटर व 119 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त रूद्रप्रयाग बाजार में 01, जखोली ब्लाक के अंतर्गत मयाली बाजार में 01 व ऊखीमठ क्षेत्र के अंतर्गत कुंड में 01 सहित कुल 03 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि पोलियो टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए आशा कार्यकत्रियों व ए.एन.एम के माध्यम से शून्य से 05 आयु वर्ग के सभी बच्चों को बूथ तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकीचट्टी में अव्यवस्था से स्थानीय लोग परेशान

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय लोगों और व्यवसायियों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि बस पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों में घोड़े–खच्चरों, डंडी–कंडी मजदूरों और उनके संचालकों का अनियंत्रित जमावड़ा श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग क्षेत्र में घोड़े–खच्चर संचालक और डंडी–कंडी मजदूर यात्रियों को सेवाओं के लिए आकर्षित करने की होड़ में लगातार आवाजाही और आवाज लगाते रहते हैं। इससे कई बार भीड़ और अफरा–तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। भाजपा नेता एवं होटल व्यवसायी संदीप राणा ने जिला पंचायत की ओर से संचालित कुली एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यात्रा पड़ाव पर बढ़ती अव्यवस्थाएं यमुनोत्री धाम की छवि को प्रभावित कर रही है।

राणा ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रा पड़ावों पर अनुशासन, भीड़ प्रबंधन और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्किंग क्षेत्र, घोड़ा–खच्चर संचालन और डंडी–कंडी सेवाओं के लिए सख्त व्यवस्था लागू करने की मांग की। वहीं, कुली एजेंसी से जुड़े शरत सिंह चौहान ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस वर्ष व्यवस्थाएं पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बेहतर हैं।

मानसून में बाढ़ और जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील 304 स्थल चिह्नित

देहरादून। प्रदेश में मानसून में बाढ़ और जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील 304 स्थल चिह्नित किए गए हैं, जबकि 113 बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं। यह कहना है लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज का। उन्होंने यह बात सिंचाई भवन सभागार में मानसून की तैयारियों को लेकर हुई सिंचाई और लोक निर्माण विभाग की बैठक में कही।मंत्री महाराज ने बताया कि सभी जनपद मुख्यालयों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। देहरादून में भी एक बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे क्रियाशील है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नदियों के जलस्तर और वर्षा के आंकड़े प्रतिदिन प्राप्त किए जा रहे हैं। राज्य में कुल 113 बाढ़ चौकियां 15 जून से पहले स्थापित कर लीं गई हैं। सड़कों के अवरुद्ध होने पर वैकल्पिक मार्ग तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में अपर सचिव विनीत कुमार, महावीर चौहान, अपर सचिव सिंचाई गरिमा रौंकली, लोनिवि के प्रमुख अभियंता रमेश चंद्र शर्मा, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता सुभाष कुमार आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

संविधान हत्या दिवस पर लोकतंत्र सेनानियों और परिजनों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जी. एम. एस. रोड स्थित एक होटल में संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान करते हुए कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार द्वारा सत्ता बचाने के लिए नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया तथा संविधान की मूल भावना को आघात पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि लोकतंत्र की रक्षा, संविधान के सम्मान तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखते हुए विकसित भारत और श्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण में सभी अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के त्याग, साहस और संघर्ष के कारण ही देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पुनः स्थापित हो सकी। उन्होंने सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए उनके संघर्ष को सदैव स्मरण रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान करता है। कहा कि आपातकाल के दौरान इन मूल अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया गया, किंतु देश की जागरूक जनता ने लोकतांत्रिक माध्यमों से इसका जवाब देते हुए लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 2023 में लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि को 16 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। साथ ही, आपातकाल के दौरान जेल गए लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके आश्रित जीवनसाथियों को विशेष पहचान-पत्र भी जारी किए गए हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बिष्ट, भाजपा के प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल मौजूद थे।

हेमकुंड साहिब जा रहे श्रद्धालुओं की बाइट हुई दुर्घटनाग्रस्त, दो गंभीर घायल

देवप्रयाग। ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवप्रयाग के समीप एनएचपीसी बैंड पर एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार पंजाब निवासी दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा। कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि पुलिस को एनएचपीसी बैंड के पास एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तत्काल चौकी बचेलीखाल से पुलिस बल मौके पर पहुच गये थे। दो युवक पंजाब से हेमकुंड साहिब की यात्रा पर जा रहे थे। एनएचपीसी बैंड के तीखे मोड़ पर अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और दोनों सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। घायलों की पहचान चालक गुरु प्रताप सिंह (24 वर्ष) पुत्र गुरु दयाल सिंह, निवासी मकान नंबर–एनजी 86, कोट बाबा दीप सिंह, बीटीसी जनपद जालंधर (पंजाब) और उनके साथी प्रिंस सिंह (20 वर्ष) पुत्र सतनाम सिंह, निवासी ग्राम सेमी, थाना 08–नंबर, ट्रांसपोर्ट नगर, जालंधर (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और अपने सरकारी वाहन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी, देवप्रयाग में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। दोनों घायलों के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है।

फार्मर रजिस्ट्री के पंजीकरण बढ़ने के लिए गांवों में कैंप लगाने के निर्देश

नई टिहरी। केंद्र सरकार की एग्रीस्टेक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री और स्वैच्छिक चकबंदी योजना की समीक्षा करते हुए एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने पंजीकरण कैंप लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत सभी किसानों का फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। बताया गया कि अभी तक जिले में 33042 किसानों ने फार्मर पंजीकरण कराया है।

फार्मर रजिस्ट्री योजना की समीक्षा करते हुए एडीएम ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और मुख्य कृषि अधिकारी को पंजीकरण बढ़ाने के लिए सीएससी सेंटर और विभागों के सहयोग से गांव–गांव में कैंप लगाकर शत प्रतिशत पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वैच्छिक चकबंदी की प्रगति रिपोर्ट तलब करते हुए चकबंदी के आवेदकों की संख्या बढ़ाने को कहा। एडीएम ने सभी किसानों से अपने नजदीकि सीएससी सेंटर और कैंप में जाकर फार्मर पंजीकरण कराने की अपील की है। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि कृषि, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और राजस्व विभाग के सहयोग से जिले में फार्मर पंजीकरण बढ़ाने के लिए कैंप लगाए जा रहे हैं। पंजीकरण बढ़ाने के लिए कैंप की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बताया गया कि स्वैच्छिक चकबंदी योजना के लिए जिले में 10 गांवों का चयन करने के दिए गए हैं।

किरन देवी बनी ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की मिसाल

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली के विकासखंड देवाल के ग्राम खजडकोट निवासी किरन देवी पत्नी हरीश चन्द्र आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से उन्होंने अपना सिलाई केंद्र स्थापित कर न केवल स्वयं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता हासिल की है, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी रोजगार एवं प्रशिक्षण से जोड़ रही हैं।श्रीमती किरन देवी एक सामान्य कृषक परिवार से हैं, जहां परिवार की आजीविका का मुख्य आधार कृषि एवं पशुपालन था। सीमित आय के कारण परिवार की आवश्यकताओं तथा बच्चों की शिक्षा का खर्च वहन करना कठिन हो रहा था। इंटरमीडिएट तक शिक्षित किरन देवी को बचपन से ही सिलाई-कढ़ाई में विशेष रुचि थी, लेकिन संसाधनों के अभाव में वे अपनी प्रतिभा को व्यवसाय का रूप नहीं दे पा रही थीं। वर्ष 2023-24 में सुनन्दा सीएलएफ एवं स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य होने के कारण उनका चयन रीप परियोजना के अंतर्गत व्यक्तिगत उद्यम के लिए हुआ। एक लाख रुपये की लागत से स्थापित इस उद्यम में 30,000 की सहायता रीप परियोजना, 60,000 का बैंक ऋण तथा शेष राशि स्वयं के अंशदान के रूप में निवेश की गई। परियोजना से प्राप्त सहयोग के माध्यम से उन्होंने दो सिलाई मशीनें, एक पिको मशीन तथा आवश्यक उपकरण खरीदकर अपना सिलाई केंद्र स्थापित किया। वर्तमान में वे आसपास के गांवों की महिलाओं के लिए सिलाई एवं वस्त्र निर्माण का कार्य कर रही हैं। साथ ही इच्छुक महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही हैं।

आज उनका सिलाई केंद्र प्रतिमाह 9,000 से 10,000 तक की आय का सशक्त माध्यम बन चुका है। इस आय से वे अपने परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा का खर्च भी सुचारु रूप से वहन कर रही हैं। क्षेत्र में उनकी पहचान एक सफल महिला उद्यमी और प्रशिक्षक के रूप में स्थापित हो चुकी है।

बंद मकान में किराएदार का मिला शव

रुद्रपुर । ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र की कृष्णा बिहार कॉलोनी में एक बंद मकान के अंदर किराएदार का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 48 वर्षीय कमलेश चंद्र दुबे निवासी देवरिया, उत्तर प्रदेश पिछले कई वर्षों से ट्रांजिट कैंप की कृष्णा बिहार कॉलोनी में किराए पर रह रहा था। बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि कमलेश काफी देर से कमरे का दरवाजा नहीं खोल रहा है। सूचना पर उपनिरीक्षक महेश काण्डपाल पुलिस टीम और फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे।

राजाजी में गूंजेगी दहाड़, कॉर्बेट से पांच और बाघ लाने की मिली मंजूरी

ऋषिकेश। ,राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी–दक्षिणी क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता मिली है। पार्क प्रशासन को अब कार्बेट नेशनल पार्क से पांच और बाघों को लाने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से सहमति मिल गई है। इनमें तीन बाघिन और दो बाघ शामिल हैं। पार्क प्रशासन ने इसके लिए एनटीसीए के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया था। इससे क्षेत्र पार्क के पश्चिमी क्षेत्र में बाघों के कुनबे के विस्तार और जैव विविधता संरक्षण को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जगी है।

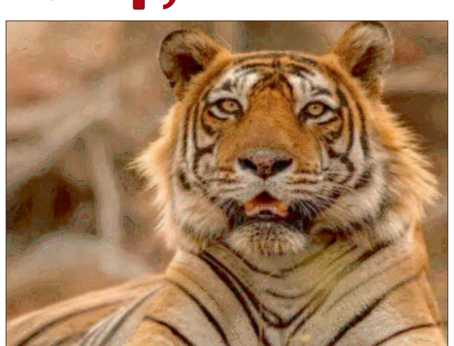

पिछले कई वर्षों से राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी क्षेत्र में बाघों की स्थायी आबादी विकसित करने के प्रयास किए जा रहे थे। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाघ पुनर्वास परियोजना शुरू की गई थी। इसके तहत दिसंबर 2020 में पहला बाघ सफलतापूर्वक यहां लाया गया था। वर्ष 2020 से 2025 के बीच कार्बेट से कुल पांच बाघों (तीन बाघिन और दो बाघ) को राजाजी के पश्चिमी क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया। सभी बाघों का मेडिकल परीक्षण करने के बाद उन्हें सैटेलाइट रेडियो कॉलर पहनाकर जंगल में छोड़ा गया था, ताकि उनकी गतिविधियों और स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। मई 2025 में पांचवें बाघ को मोतीचूर रेंज में छोड़े जाने के साथ परियोजना का पहला चरण पूरा हुआ था। अब दूसरे चरण के तहत फिर से तीन बाघिन और दो बाघ राजाजी लाए जाएंगे। वन अधिकारियों का मानना है कि इससे पश्चिमी–दक्षिणी क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ने के साथ–साथ उनका प्राकृतिक प्रजनन भी तेज होगा। इससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि राजाजी देश के प्रमुख बाघ आवासों में और अधिक मजबूत पहचान बना सकेगा।

पूर्व में उम्मीदों को लगा था झटका

राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन नेशनल पार्क के पश्चिमी हिस्से में बाघों की आबादी बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। वर्ष 2024 में यहां बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया तो राजाजी प्रशासन को उम्मीदें भी जगीं, लेकिन इस कवायद को झटका तब लगा जब दो शावकों को गुलदार ने हमला कर शिकार बना लिया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गुलदार के निशान सामने आए थे। हालांकि बाद में दो शावकों का अभी भी पता नहीं चल पाया था। वहीं 2020 से 2025 तक लाए गए पांच बाघों में से तीन बाघों की पार्क की से बाहर चले जाने की आशंका है। जिनमें से एक बाघ कभी कभार पार्क सीमा के भीतर आ जाता है।

बाघ विहीन था पश्चिमी क्षेत्र

राजाजी टाइगर रिजर्व में कुल 55 बाघ हैं। सभी बाघ पूर्वी क्षेत्र में हैं क्योंकि यह क्षेत्र नेशनल कार्बेट पार्क से जुड़ा हुआ है। पश्चिमी हिस्सा बाघ विहीन हो गया था। अत्यधिक मानवीय निर्मित अवरोधों के चलते बाघों का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था। राजाजी नेशनल पार्क गंगा के कारण पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र में बंटा हुआ है। पूर्वी क्षेत्र में तीन रेंज (गौरी, चोला व रवासन रेंज) और पश्चिमी क्षेत्र में सात रेंज (हरिद्वार, कांसरो, मोतीचूर, धोलखंड, बेरीबाड़ा, चीलावाली व रामगढ़) हैं। पश्चिमी क्षेत्र में मानव निर्मित अवरोध सड़कें व चीला नहर आदि होने से यहां बाघों का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था जबकि यहां प्रचुर मात्रा में संसाधन हैं। यह क्षेत्र कहीं ज्यादा बाघों को वहन कर सकता है।

एक नजर

मेयर ने गढ़वाल मंडल आयुक्त से मांगा सहयोग

श्रीनगर गढ़वाल : मेयर आरती भंडारी ने गढ़वाल मंडल आयुक्त आनंद स्वरूप से भी मुलाकात की। उन्होंने गोला बाजार के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि गोला बाजार श्रीनगर का सबसे ऐतिहासिक और सबसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र है। बरसात के दौरान यहां जलभराव की समस्या आम हो जाती है। गोला बाजार के सौंदर्यीकरण के लिए 148.57 लाख की डीपीआर तैयार की जा चुकी है, लेकिन धनराशि उपलब्ध न होने के कारण कार्य अटका हुआ है। आयुक्त आनंद स्वरूप ने भरोसा दिलाया कि जल्द सभी संबंधित विभागों की बैठक कर मामले की समीक्षा की जाएगी। इस मौके पर पार्षद दिनेश पटवाल, रमेश रमोला, आशीष नेगी और राजकुमार भी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मान

बड़कोट। जिला पत्रकार संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह में चारधाम यात्रा में मीडिया की भूमिका विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने किया। पारंपरिक व्यंजनों को नई पहचान दिलाने वाली जमुना रावत को गढ़ भोज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। चारधाम यात्रा के सफल संचालन एवं बेहतर व्यवस्थाओं के लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य और पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय को उत्कृष्ट सुशासन गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

योग अनुदेशकों ने वेतन वृद्धि और स्थायी नियुक्ति की उठाई मांग

उत्तरकाशी। जिला आयुर्वेदिक योग अनुदेशक संगठन ने आयुष एवं शिक्षा पुनर्गठन मंत्री मदन कौशिक को ज्ञापन सौंप कर योग अनुदेशकों की वेतन वृद्धि तथा स्थायी नियुक्ति की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो 25 जुलाई से धरना–प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में संगठन के अध्यक्ष राममोहन सिंह रावत और सचिव राकेश रावत ने कहा कि जनपद में कार्यरत योग अनुदेशक एवं अनुदेशिकाएं पिछले तीन वर्षों से मात्र पांच हजार और आठ हजार रुपये मासिक मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं। इतने कम मानदेय में परिवार का भरण–पोषण करना उनके लिए अत्यंत कठिन हो गया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व योग के प्रचार–प्रसार के लिए गांव–गांव और शहरों में विशेष योग शिविर एवं कक्षाएं संचालित की जाती हैं। कई बार योग अनुदेशक निर्धारित ड्यूटी से अतिरिक्त समय देकर भी लोगों को योग के प्रति जागरूक करते हैं।

आपातकाल की वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल व अन्य को मिला सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र सेनानी व पत्रकार नरेंद्र उनियाल सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया। कहा कि आपातकाल देश के इतिहास पर काला धब्बा है। ऐसे में लोकतंत्र के सेनानियों ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद की थी। जिससे उन्हें जेल तक जाना पड़ा। देश सेवा में दिया गया लोकतंत्र के सेनानियों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल व महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लागू कर देश में मौलिक अधिकारों का हनन किया और विपक्षी नेताओं व कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा संभव हो सकी। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल के दौरान देश की जनता को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जेल में यातनाएं सही। लेकिन, उन्होंने तानाशाही के सामने झुकने से इनकार किया। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानी व पत्रकार स्व. नरेंद्र उनियाल के योगदान को याद करते हुए उनके भाई नागेंद्र उनियाल को सम्मान सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान नरेंद्र गोयल, स्व. रामचंद्र वर्मा के पुत्र कैलाश वर्मा, स्व. बृजमोहन गोयल के पुत्र राकेश गोयल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता उमेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष हरी सिंह पुंडीर, विजयानंद पोखरियाल, नगर अध्यक्ष विकास दीप मित्तल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सरदार गुरबचन सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष शशिबाला केष्टवाल, पार्षद रजनीश बेबनी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य ने किया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्व. नागेंद्र उनियाल के भाई नरेंद्र उनियाल को सम्मान सौंपते भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल व महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

शराब के नशे में सगे भाइयों के बीच मारपीट, पुलिस ने की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोकमणिपुर क्षेत्र में शराब के नशे में दो सगे भाइयों के बीच हुए विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया। दोनों भाइयों ने एक–दूसरे पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों भाई आपस में गाली–गलौज करते हुए एक–दूसरे पर पत्थर बरसा रहे थे, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों की पहचान लोकमणिपुर निवासी विनोद और अमित के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि दोनों शराब के नशे में थे और आपसी विवाद के चलते झगड़ा कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांति भंग करने के आरोप में कार्रवाई करते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

निर्जला एकादशी पर राहगीरों को पिलाया शरबत

श्रीनगर गढ़वाल : निर्जला एकादशी पर नगर में विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने जगह-जगह शिविर लगाकर राहगीरों, श्रद्धालुओं और यात्रियों को शरबत बांटा। नगर निगम के आम्रकुंज वार्ड-28 के पार्षद जयपाल सिंह बिष्ट के नेतृत्व में आम्रकुंज चौराहे पर विशेष सेवा शिविर लगाया गया। जयपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि निर्जला एकादशी पर वार्डवासियों के सहयोग से यह सेवा शिविर लगाया गया। वहीं नगर स्थित गणेश मंदिर परिसर में श्रीनगर व्यापार सभा की पहल पर भी शरबत बांटा गया। व्यापार सभा के महासचिव छवि प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने राहगीरों को शरबत बांटा। इस अवसर पर प्रवीण अग्रवाल, झाबर सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह चौहान, गोपाल डुडेजा, विनायक अग्रवाल, सुजीत अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, नवीन नैनवाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ईवी चार्जिंग स्टेशन के निर्माण की कवायद शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम की पहल पर एनआईटी के समीप ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) चार्जिंग स्टेशन के निर्माण कार्य की कवायद शुरू हो गई है। मेयर आरती भंडारी ने बृहस्पतिवार को निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है और नगर निगम को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं को विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आम लोगों की सुविधा बढ़ाएगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर निगम के पार्षद दिनेश पटवाल भी मौजूद रहे। (एजेंसी)

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी पर भड़का गुस्सा, दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय में चिकित्सकों और तकनीकी कर्मचारियों की कमी पर नागरिक मंच का गुस्सा फूट पड़ा। मंच के सदस्यों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ धरना देते हुए जल्द व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार को मंच के सदस्यों ने अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी के नेतृत्व में अस्पताल के प्रवेश द्वार पर धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि मैदान और पर्वतीय क्षेत्रों से प्रतिदिन सैकड़ों मरीज उपचार के लिए बेस चिकित्सालय पहुंचते हैं, लेकिन संसाधनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत पदों की तुलना में चिकित्सकों की संख्या काफी कम है, जिससे कई बार कैंप और वीआईपी ड्यूटी के कारण ओपीडी सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित लीथोट्रिप्सी और मैमोग्राफी मशीनें तकनीशियनों के अभाव में लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इससे मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। मंच ने अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, चर्म रोग विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों और तकनीकी कर्मचारियों की शीघ्र नियुक्ति की मांग की। साथ ही पुरानी और अनुपयोगी हो चुकी मशीनों के स्थान पर नई मशीनें उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई। धरने के दौरान वक्ताओं ने वरिष्ठ नागरिकों को गोल्डन कार्ड के माध्यम से ओपीडी सुविधा नहीं मिलने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि पहले ओपीडी सेवाओं में गोल्डन कार्ड का लाभ मिलता था, लेकिन वर्तमान में यह सुविधा बंद कर दी गई है, जिससे बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरने में गोविंद डंडरियाल, प्रवेश नवानी, राकेश लखेड़ा, राजेंद्र पंत, मुजीब नैथानी, सुल्तान सिंह रावत, अतुल भट्ट, हरीश चंद्र कुंडलिया, दिनेश जुयाल, जयबीर सिंह रावत, सुबोध देवरानी, सुरेश मधवाल, सुंदर लाल जोशी, शशि मोहन उनियाल और गोपाल कृष्ण बडथ्वाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका ने शुरू की कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लोअर चोपड़ा स्थित श्रीनगर रोड पर बीते दो दशक से अधिक समय से डंप किए गए सात हजार मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा के निस्तारण की प्रक्रिया नगर पालिका प्रशासन ने शुरू कर दी है। जिससे कूड़े की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद जगी है। पालिका के अधिकारियों का कहना है कि छः माह के भीतर पूरे कूड़े के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बता दें कि वर्ष 2003-04 से श्रीनगर रोड पर लोअर चोपड़ा के समीप गदेरे किनारे कूड़ा डंप किया जा रहा है। नगर पालिका के पास ट्रंचिंग ग्राउंड की सुविधा नहीं होने के कारण वर्षों से कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण नहीं हो सका। इसके चलते यहां हजारों मीट्रिक टन कूड़ा जमा हो गया है। नगर पालिका प्रशासन ने अब कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए ट्रायल कन्वेयर बेल्ट मशीन स्थापित कर कूड़े की छंटाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक लगभग 15 फीसदी वेस्ट का निस्तारण किया जा चुका है। पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि लोअर चोपड़ा में कुल 7636 मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट मौजूद है जिसमें प्लास्टिक, गत्ता, बोतल, मिट्टी सहित अन्य प्रकार का कचरा शामिल है। ईओ ने बताया कि अब तक 15 फीसदी कूड़े की छंटाई पूरी हो चुकी है और छः माह के भीतर पूरे लीगेसी वेस्ट के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

27 को सीटीसी श्रीनगर में होगी बैठक

श्रीनगर गढ़वाल : जनपद पौड़ी, रुद्रप्रयाग तथा तहसील देवप्रयाग, कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में निवास करने वाले पूर्व अर्द्धसैनिक बल (सीएपीएफ) कर्मियों, वीर नारियों, आश्रितों और दिव्यांग बल कर्मियों की बैठक 27 जून को होगी। बैठक का आयोजन उप महानिरीक्षक सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) श्रीनगर गढ़वाल के निर्देशन में एसएसबी कला केंद्र, सीटीसी श्रीनगर में होगा।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा विस्तार सूचना

इस खण्ड द्वारा पूर्व में आमन्त्रित ई–निविदा सं0 01/EDDN/2026–27 के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 03.07.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 04.07.2026 को 12.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 04.07.2026 को समय 15.00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्ते पूर्ववत है।

पत्रांक : 401/विविख(नै)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 25.06.2026

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

टेंडर नं. Sr. DEN-C/Publication/26-27 दिनांक : 24.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	96-DRM-MB-26-27 Date - 23.06.2026
कार्य का नाम	Supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 100000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly. Wagons / hoppers at Bangarmau Depot under Sr.DEN/Co./MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	16.07.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	16,09,06,000.00
धरोहर राशि	32,18,100.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	02.07.2026

2191/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

27 जून को थराली के कुनीपार्था में लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद चमोली के विकासखंड थराली अंतर्गत कुनीपार्था में शनिवार, 27 जून को बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

इस शिविर के माध्यम से क्षेत्र के ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं समस्याओं के समाधान की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर का लाभ कुराड़, गोठिंडा, हरिनगर, लेटाल, गुमुड, टुण्ड्री तथा सगवाड़ा सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों को मिलेगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक प्रमाण-पत्रों से संबंधित सेवाएं तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे पूर्ण तैयारी के साथ शिविर में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें तथा संबंधित विभागों की समस्त सेवाएं एवं योजनाएं आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय या अन्य स्थानों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत प्रदान करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उनके द्वार तक पहुंचाना है।

श्रीनगर में प्रेशर हार्न बनी गंभीर समस्या

श्रीनगर गढ़वाल : मेयर आरती भंडारी ने एसएसपी सर्वेश पंवार से मुलाकात कर श्रीनगर को प्रेशर हॉर्न फ्री जोन बनाने के लिए सहयोग मांगा। मेयर आरती ने बताया कि एसएसपी ने आश्वासन दिया कि जल्द उनकी अध्यक्षता में पुलिस विभाग, परिवहन विभाग और नगर निगम की संयुक्त बैठक की जाएगी, जिसमें इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए ठोस रणनीति बनाई जाएगी। मेयर ने कहा कि श्रीनगर शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में प्रेशर हॉर्न से बढ़ता ध्वनि प्रदूषण छात्रों, मरीजों, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। पहले चरण में पंचपीपल से स्वीत पुल तक क्षेत्र को प्रेशर हॉर्न फ्री जोन बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत प्रेशर हॉर्न पर रोक, बिना वजह हॉर्न बजाने वालों पर कार्रवाई और जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां जोरों पर

श्रीनगर गढ़वाल : 28 जून को होने वाले पल्स पोलियो अभियान के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। इसके लिए श्रीनगर शहर को चार सेक्टरों में बांटकर 12 बूथ बनाए गए हैं। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के 1791 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विमल गुसाईं ने बताया कि एसएसबी, भक्तियाना चर्चा, कमलेश्वर मंदिर, मातृ शिशु कल्याण केंद्र, संचिता पैथोलॉजी लैब, चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल, नंदन जूनियर हाईस्कूल, जीजीआईसी, सरस्वती शिशु मंदिर, पीडब्लूडी गेस्ट हाउस, देवलोक होटल, पौड़ी चुंगी के साथ एक ट्रांजिट बूथ ऋषिकेश बस स्टेशन पर बनाए गए हैं। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र पंजी0 सं0- B-2022: 5-90421-001300 दिनांक- 05-10-2022 में मेरे पुत्र का नाम परम दर्ज हो गया है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम वरदान ध्यानी (VARDAN DHYANI) है, मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि- 06-06-2022 है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का सही नाम वरदान ध्यानी (VARDAN DHYANI) दर्ज कर संशोधित जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाय।

प्रतिभा पत्नी राम चन्द्र निवासी ग्राम पदमपुर, पट्टी मोटाढांक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0540/21)

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या–189/ न0प0स0/2025–26/को0सू/ दिनांक 25 जून 2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सतपुली के द्वारा अपने पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत विभिन्न वार्डों में होने वाले निर्माण कार्यों की निविदायें दिनांक 10.07.2026 को अपह्रान 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो कि दिनांक 10.07.2026 को समय 4.00 बजे अपह्रान को निविदादाताओं एवं अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति के सम्मुख खोली जायेगी, निविदा प्रपत्र दिनांक 8.7.2026 को निर्धारित निविदा मूल्य अदा कर क्रय किये जा सकतें है। कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3% प्रतिशत धनराशि बतौर धरोहर के रूप में सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो कि अधिशासी अधिकारी के नाम बन्धक हो लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदा पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा या समस्त निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करनें का अधिकार अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति को सुरक्षित रहेगा। अन्य शर्त व सूचना को किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की आगंणन की लागत जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि	वैधता	निविदा मुल्य 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित	पंजीयन श्रेणी
1	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड न0 02 में दीपक इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप से श्री प्रेम लाल शर्मा के घर से होते हुए श्री कमलेश दूक्लान के घर तक क्षतिग्रस्त सीसी का पुनर्निर्माण एवं चेंबर के ढक्कनों को बदलने का कार्य।	रू 0.30 लाख		45		सी0
2	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड न0 1 में रमेश सिंह भंडारी के घर सामने से दुधारखाल रोड तक सीढ़ी एवं रेलिंग का निर्माण कार्य।	रू 1.55 लाख		45		सी0
3	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड न0 4 में सतपुली से एनएच के चौथे बैंड से मल्ली सतपुली को जाने वाले रास्ते पर सीसी कार्य।	रू 2.01 लाख		45		सी0
4	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नंबर 01 में श्री दीपक शर्मा के घर से श्री सुरेश रावत के घर से होते हुए दूधारखाल रोड तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने एवं श्री अनू पंवार के घर के समाने से लेकर सड़क तक पीवीसी पाइप द्वारा जल निकासी कार्य।	रू 3.15 लाख		45		सी0
5	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड न0 4 में बंगला मोहल्ला से सतपुली जाने वाले रास्ते NH तक खंड़जा वा सीसी का निर्माण कार्य।	रू 3.60 लाख		45		सी0
6	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 01 में नयार वैली होटल से श्री मातवर सिंह के घर से होते हुए पेट्रोल पंप तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य	रू 4.36 लाख		45		सी0
7	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नं0 01 होटल हिमालयन से श्रीमती गीता देवी के घर से होते हुए श्री कमलेश विजलवान के घर तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य।	रू 4.73 लाख		45		सी0
8	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड 01 में श्री उम्मेद सिंह के घर के पीछे महिला मिलन केन्द्र का नवनिर्माण कार्य।	रू 6.48 लाख	19,500	45	2360	बी0
9	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 02 में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास पुश्ता, रेलिग एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य।	रू 6.67 लाख	20,500	45	2360	बी0

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली
पौड़ी गढ़वाल

(0270/51)

संपादकीय

अपने घर का सपना

हर एक आम व्यक्ति का यह सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो लेकिन तम एम जिम्मेदारियां एवं खर्चो के कारण अपने घर का सपना अक्सर सपना ही रह जाता है। केंद्र एवं राज्य सरकार गरीब तबके के लोगों के लिए विभिन्न आवासीय योजनाएं चलती है लेकिन यह संख्या बेहद कम है और आज भी बेघर लोगों की संख्या करोड़ों में है। इधर उत्तराखंड सरकार ने कम आय वर्ग वाले लोगों को बेहद कम धारों पर उनके अपने घर का सपना पूरा करने का प्रयास शुरू किया है। उत्तराखंड सरकार और भारत सरकार मिलकर एक ऐसी आवासीय परियोजना को अंतिम रूप दे रही हैं, जो हजारों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत रुद्रपुर के ग्राम बागवाला में 1872 ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आवासों का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। परियोजना राज्य में गरीब परिवारों के लिए सुरक्षित और आधुनिक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण (उधमसिंह नगर) द्वारा संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को अपना घर उपलब्ध कराना है, जिनके पास अब तक पक्का मकान नहीं है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद हजारों लोगों का वर्षों पुराना सपना साकार होने जा रहा है। फिलहाल तो इस योजना के तहत लगभग 1800 मकान आवंटित किए जाएंगे जिससे कुछ लोगों के घर का सपना तो पूरा होगा लेकिन यह संख्या बेहद कम है और दूसरे जनपद में भी सरकार को स्थान चिन्हित कर कम दरों पर बेघर लोगों को उनका अपना घर मुहैया कराना चाहिए। अच्छी बात यह है कि यह फ्लैट इतनी कम दरों पर दिए जा रहे हैं कि इससे कई लोगों के सपने पूरे होंगे। बस सरकार को इस बात का ध्यान रखना होगा की मकान केवल जरूरतमंद लोगों को ही मिल पाए और इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी न होने पाए। अच्छी बात यह है कि छह लाख रुपये लागत वाले इन आधुनिक फ्लैटों के लिए लाभार्थी को मात्र तीन लाख रुपये ही देने होंगे। शेष राशि भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार द्वारा डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की सब्सिडी के रूप में वहन की जाएगी। इससे सीमित आय वाले परिवारों को भी सम्मानजनक आवास प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। पारदर्शी आवंटन प्रक्रिया के लिए सरकार द्वारा भी स्पष्ट कर दिया गया है कि पात्र लाभार्थियों का चयन कंप्यूटर आधारित रैंडमाइजेशन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन के लिए आवेदक का प्रधानमंत्री आवास योजना के एमआईएस पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक को 17 जून 2015 से पूर्व का उत्तराखंड निवासी होना चाहिए तथा उसकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये या उससे कम होनी चाहिए। राज्य सरकार को अन्य वर्गों के लिए भी ऐसी योजनाएं लानी चाहिए जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों और विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मिलता रहे। इस परियोजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है। हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दशार्ती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दशार्ती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरूआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया।

इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरूआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।बाद में सोनम और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह

मेरठ का सबसे चर्चित और रूह कंपा देने वाला मामला है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी नाम की महिला है।मार्च 2025 में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी। सौरभ को पहले नशीली दवा दी गई, फिर चाकू और उस्तरे से उसका गला रेता गया। शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला गया और बदबू छिपाने के लिए उसे सीमेंट और रेत के मिक्चर से जमा दिया गया। सौरभ अपनी बेटी को अपने साथ लंदन ले जाना चाहता था, लेकिन मुस्कान मेरठ में अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे।

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और

डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है।

भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

संक्षिप्त समाचार

भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन

दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की

रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्प्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग सभी की डूबने से मौत

लंदन , एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने

कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी (करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गईं और बोर हो गईं कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं– जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद क्यूआर कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में

मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्त्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव

तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है–

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स
सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ–साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ–साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा–3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है– डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी–फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा–कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा–कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

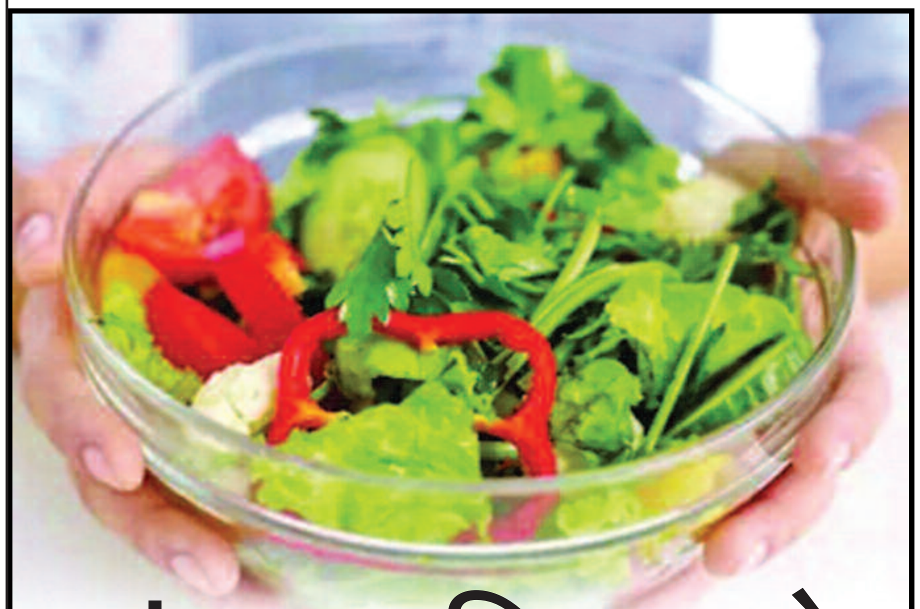

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्स्ट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई–सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

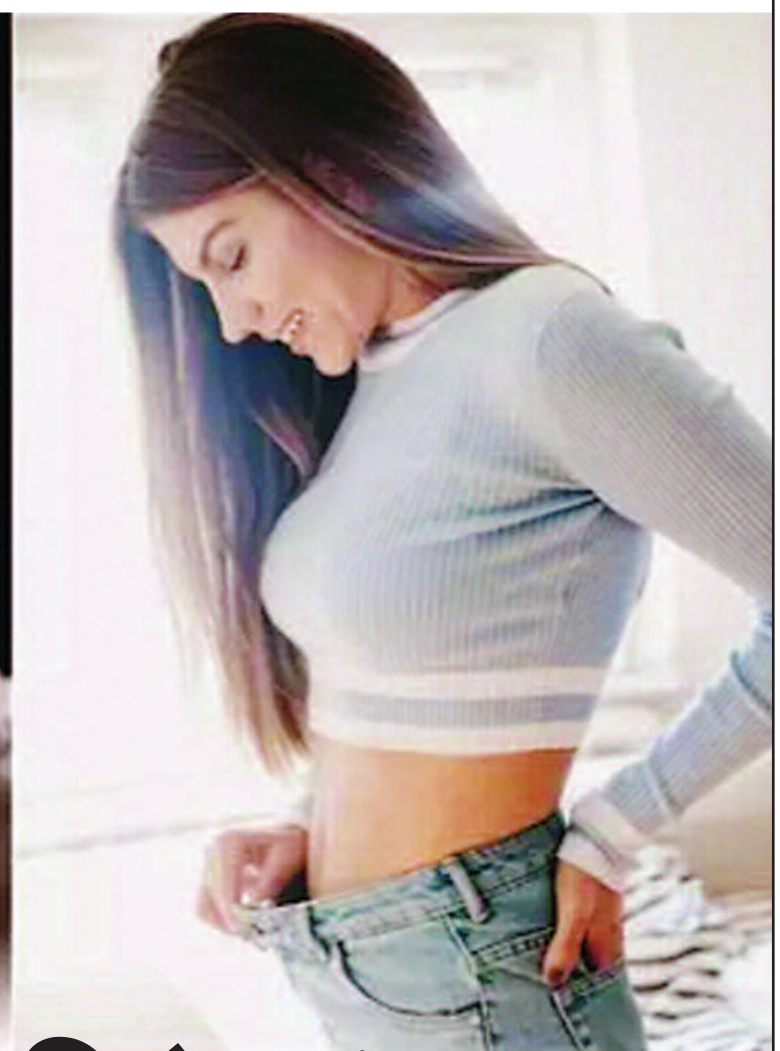

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

मानसून सीजन में दूरस्थ गांव में की जाए डॉक्टरों की तैनाती

उत्तरकाशी। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने एनएच, लोनिवि, पीएमजीएसवाई को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के जिन मार्गों पर सड़क बंद होने की आशंका सबसे अधिक है उन्हें चिह्नित कर दोनों ओर जेसीबी और पोकलैंड मशीनें तैनात रखी जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को सड़क से कटे दूरस्थ गांवों के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की अनिवार्य तैनाती के निर्देश दिए।

बृहस्पतिवार को मंत्री मदन कौशिक ने मानसून को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और जल्द ही सभी तैयारियों को पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि जिन दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क कट जाता है। वहां पर खाद्यान्न, ईंधन और घरेलू गैस (एलपीजी) व जीवन रक्षक औषधि का स्टॉक पहुंचाया जाए।

नीट पेपर लीक मामले पर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और उनकी मेहनत पर पानी फिर रहा है।

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अरविंद नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ता दुगड्डा तिराहे पर एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाएं परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रही हैं और यह केंद्र सरकार की विफलता को दर्शाती हैं। वक्ताओं ने कहा कि लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों की मेहनत करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाओं से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी की। पुतला दहन के बाद दुगड्डा में युवा कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा कांग्रेस कोटद्वार के जिला प्रभारी आरिफ अहमद और नितिन रावत ने संगठन को मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर अनिल रतूड़ी, नितिन रावत, अमित कुमार, अभिलाषा नेगी, कुलदीप पटवाल, पूजा देवी, धनेश्वरी देवी, लक्ष्मण सिंह, सनोज रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुगड्डा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन करते युवा कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी

नगर पालिका बोर्ड बैठक में शहर को अतिक्रमण मुक्त करने निर्णय

नरेंद्रनगर (टिहरी)। नगर पालिका के नवनिर्वाचित बोर्ड की पहली बैठक में शहर को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्णय लिया गया है। पालिका बोर्ड ने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में नगरवासियों से सहयोग की अपील की है। नगर पालिका सभागार में अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोनिवि द्वारा निर्मित श्रीदेव सुमन शॉपिंग कॉम्पलेक्स और पालिका कार्यालय भवन को पालिका को हस्तांतरित करने के लिए लोनिवि से पत्राचार करने का निर्णय लिया गया है। पालिका के स्वामित्व वाली आवासीय और व्यावसायिक भवन जिस व्यक्ति को आवंटन किया गया है। उसके द्वारा वह भवन स्वयं किसी तीसरे पक्ष को बेचने या किराए पर देने के मामले में कानूनी सलाह लेकर ऐसे आवंटन निरस्त करने पर चर्चा की गई। नगर का सौंदर्यकरण और पर्यटन के दृष्टिकोण से शहर में नालियों और पालिका की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने के लिए बोर्ड की ओर से पालिकाध्यक्ष को अधिकृत किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा हरदोई तथा बरेली रेलवे स्टेशन पर एम. पी. एस. एवं शाहजहांपुर, देहरादून, हरिद्वार, मुरादाबाद तथा बरेली रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन(AVM), के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 15.07.2026 को एवं बलामाऊ, हरदोई, शाहजहांपुर, हापुड़, नजीबाबाद, योग नगरी ऋषिकेश, रुड़की, लक्सर, चंदौसी तथा देहरादून रेलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन, के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 16.07.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
उ.रे., मुरादाबाद

2194/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को गंभीरता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली, गोल्डन कार्ड की विसंगतियों के समाधान और अन्य कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से गंभीरता से कार्य करने की मांग की है। परिषद का कहना है कि कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाना आवश्यक है। गुरुवार को ग्रास्टनगंज स्थित उद्यान विशेषज्ञ कार्यालय में आयोजित परिषद की बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से जुड़े लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष अरूण पाण्डेय ने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों के कर्मचारी लंबे समय से गोल्डन कार्ड संबंधी विसंगतियों और अन्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन विषयों पर मुख्य सचिव स्तर पर बैठक हो चुकी है और परिषद को उम्मीद है कि शासन जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेकर समस्याओं का समाधान करेगा। बैठक में परिषद के पूर्व महामंत्री भारत बिष्ट ने वर्ष 2009 से पूर्व नियुक्त बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग उठाई। वहीं उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर बिष्ट और उपाध्यक्ष अजय बिष्ट ने गोल्डन कार्ड की खामियों को दूर करने तथा अशासकीय विद्यालयों के 413 शिक्षकों के विनियमितीकरण की मांग रखी। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संतन बिष्ट ने पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करने और कर्मचारियों को वाहन भत्ता दिए जाने की मांग की। बैठक के दौरान शाखा अध्यक्ष मुकेश रावत ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रांतीय अध्यक्ष अरुण पाण्डेय को सौंपा। बैठक में संतन बिष्ट, कैलाश थपलियाल, अखिलेश रावत, भास्करराज भारद्वाज, पंकज पटवाल, भारत बिष्ट, हरेंद्र सिंह बिष्ट, राजेश सिंह, अनीता रावत, धारणा शर्मा, पूनम पंवार, प्रीति शर्मा सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक का संचालन मुकेश रावत ने किया।

आयोजित बैठक में अपने विचार रखते वक्ता

एडीबी परियोजना के विकास कार्यों का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के वित्त पोषण से संचालित पेयजल एवं आधारभूत अवसंरचना विकास परियोजना के अंतर्गत वार्ड संख्या 4 से 26 तक चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य उच्च मानकों के साथ समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं तथा निर्माण के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना कोटद्वार शहर के भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसके पूर्ण होने के बाद नगर क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के माध्यम से पुरानी एवं जर्जर पाइपलाइनों की समस्या समाप्त होगी, जल आपूर्ति अधिक सुचारु होगी तथा पानी की बर्बादी में भी कमी आएगी।

उत्तर रेलवे

'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एस टी बी ए) की नियुक्ति

फाइल: 1/STBA/POLICY/MB/2022/C

मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे के (NSG-4, NSG-5 & NSG-6) श्रेणी के 32 स्टेशनों पर "स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट" (एस टी बी ए) की नियुक्ति के लिए निविदा निमंत्रण की सूचना।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत विभिन्न (NSG-5 & NSG-6 Railway station) पर तीन वर्ष की अवधि के लिए और (NSG–4) श्रेणी के स्टेशनों पर एक वर्ष की अवधि के लिए (कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यु.टी.एस) द्वारा अनारक्षित रेल टिकटों को जारी करने हेतु टिकट बुकिंग एजेंट (एस.टी.बी.ए) की नियुक्ति हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों जो कि निविदा की नियम व शर्तें पूर्ण करते हो से दिनांक 16.07.2026 को 10:00 से 15:00 बजे तक निविदा आमंत्रित किये जायेंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा।

निम्नलिखित NSG-4, NSG-5 & NSG-6 श्रेणी के 32 स्टेशनों पर संविदा पर "एसटीबीए की नियुक्ति की जानी है :

S. N.	Station Name	Station Code	Category of station	S. N.	Station Name	Station Code	Category of station
1	ऋषिकेश	RKSH	NSG-4	2	हाफिजपुर	HZR	NSG-6
3	करना	KAR	NSG-6	4	कफूरपुर	KFPR	NSG-6
5	कहलिया	KH	NSG-6	6	कांकाठेर	KHE	NSG-6
7	कौरहा	KUF	NSG-6	8	महरौली	MFH	NSG-6
9	महेसरा	MHHR	NSG-6	10	मुंडा पांडे	MPH	NSG-6
11	मुर्शदपुर	MSDR	NSG-6	12	ऐथल	ATMO	NSG-6
13	बाबूगढ़	BBO	NSG-6	14	बघौली	BGH	NSG-6
15	कंसराव	QSR	NSG-6	16	कुचेसर रोड	QXR	NSG-6
17	रहीमाबाद	RBD	NSG-6	18	दिलावरनगर	DIL	NSG-6
19	सिंभावली	SMBL	NSG-6	20	दलेलनगर	DLQ	NSG-6
21	दौसनी	DSNI	NSG-6	22	मसित	MST	NSG-6
23	पथरी	PRI	NSG-6	24	सनेह रोड	SNX	NSG-6
25	उमर ताली	UTA	NSG-6	26	आंवला	AO	NSG-5
27	बंथरा	BTRA	NSG-6	28	क्लटरबक गंज	CBJ	NSG-6
29	डासना	DS	NSG-6	30	काकोरी	KKJ	NSG-6
31	तिलहर	TLH	NSG-5	32	झक्कर	IKK	NSG-6

निविदा फॉर्म और उसके शर्तें उत्तर रेलवे की बेवसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** से भी डाउनलोड किये जा सकते है, ठेके के लिए निविदा फॉर्म नियम एवं शर्तें सहित विस्तृत जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ,मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्यालय से दिनांक 25.06.2026 से 15.07.2026, समय 10:00 hrs. से 17:00 hrs. बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है, जिसके लिए निविदा प्रपत्र का मूल्य ₹1180/- (₹1000 + जी एस टी @18% सहित) का भुगतान करना होगा निविदा फॉर्म दिनांक 16.07.2026 को 10:00 से 15:00 बजे तक स्वीकृत किये जायेंगे और 15:30 बजे खोला जायेगा। डाउनलोड किये गए निविदा फॉर्म के साथ निविदा प्रपत्र का मूल्य ₹1180/- (₹1000 + जी एस टी @18%) का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना होगा जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद (Sr. DFM/NR/Moradabad) के नाम देय होगा, अन्यथा निविदा रद्द कर दी जायगी।

आवेदक यदि NSG–4 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो ₹ 10000/- की धरोहर राशि, NSG–5 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो ₹ 5000/- की धरोहर राशि एवं यदि NSG–6 श्रेणी के स्टेशन के लिए आवेदन करते है तो ₹ 2000/- की धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में संलग्न करनी होगी जो कि "वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक" उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के नाम देय होगा । **नोट** : पूर्ण धरोहर राशि, निविदा प्रपत्र का मूल्य और सभी अन्य अपेक्षित कागजात(स्वयं सत्यापित) के बिना जमा किये गए आवेदन प्रपत्र पर विचार नही किया जाएगा । यदि निविदा खोलने वाले दिन 16.07.2026 को अवकाश घोषित हो जाता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस मे खोली जाएगी ।

2201/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दो विदेशी सहित सात पर्वतारोही दल ने किया काला नाग चोटी का आरोहण

उत्तरकाशी। वियतनाम के दो विदेशी पर्वतारोहियों के सात सदस्यीय दल ने हरकीदून घाटी की समुद्रतल से करीब 20954 फीट की ऊंचाई पर स्थित काला नाग चोटी का सफल आरोहण किया। पर्वतारोहियों ने पूरा अभियान एक सप्ताह में पूरा किया। इस दौरान उन्हें कई कैंपों में भारी हिमपात का सामना भी करना पड़ा। यह चोटी हरकीदून घाटी की सबसे ऊंची चोटी है। इसके आरोहण के बाद दल सुरक्षित लौट आया है।

ब्लैक पीक एडवेंचर के संयोजक यश पंवार ने बताया कि बीते 13 जून को वियतनाम के एक पुरूष और एक महिला ट्रैकर्स के साथ एक युवती सहित चार अन्य पर्वतारोहियों ने अपना अभियान शुरू किया। इस दौरान उन्हें उच्च हिमालयी क्षेत्रों में भारी हिमपात का सामना भी करना पड़ा। कई बार आधी रात्री में ही एक कैंप से दूसरे कैंप तक दूरी तय करनी पड़ी।

बीते 20 जून को सात सदस्यीय दल ने समुद्रतल से करीब 6387 मीटर की ऊंचाई पर स्थित काला नाग चोटी का सफल आरोहण किया। यह सरस्वती पर्वत शृंखला की सबसे ऊंची चोटी है। यह दल सकुलशल सांकरी लौट आया है। दल में यश पंवार, विजय पंवार, खजान लाल, त्रेपन पंवार, श्रुति पंवार शामिल थे।

निर्जला एकादशी पर गोसेवा, अन्नदान और शीतल जल सेवा का आयोजन

आयोजित कार्यक्रम के दौरान गोसेवा करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री श्याम मित्र मंडल समिति की ओर से निर्जला एकादशी पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक ओर जहां राहगीरों को शीतल जल पिलाया गया। वहीं, गोसेवा भी की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षक रतन अग्रवाल ने किया। सबसे पहले समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य गाड़ीघाट स्थित गोधाम पहुंचे, जहां उन्होंने गोवंश को सवामन हरा चारा खिलाकर गोसेवा की। इसके बाद समिति के सदस्य कुष्ठाश्रम पहुंचे और वहां रह रहे जरूरतमंदों को खाद्यान्न सामग्री वितरित की। समिति की ओर से झंडाचौक के समीप छबील लगाकर राहगीरों को शीतल पेयजल एवं शरबत वितरित किया गया। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया और समिति के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर रतन अग्रवाल ने कहा कि निर्जला एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है। मान्यता है कि इस व्रत को विधि-विधान से करने पर वर्षभर की 24 एकादशियों के समान पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि यह व्रत आत्मसंयम, सेवा और श्रद्धा का प्रतीक है तथा लोगों को धर्म के साथ समाजसेवा के कार्यों में भी भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में नरेंद्र मित्तल, नीरज गुप्ता, संजय करनवाल, राहुल जैन, राजीव अग्रवाल, जीवन जैन, अनमोल अग्रवाल सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मतदान सूची में अवश्य करवाएं नाम दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने आमजन से मतदान सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज करवाने की अपील की है। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर व्यक्ति का जागरूक होना अति आवश्यक है।

एसआईआर कार्यक्रम के संबंध में कांग्रेस की विशेष बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेंद्र भंडारी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचना चाहिए। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज नहीं है तो उसे नियमानुसार जुड़वाने की प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों, गांवों और बूथों पर मतदाता सूची का गहन परीक्षण करने का आह्वान करते हुए कहा कि गलत अथवा अपात्र नामों को चिन्हित कर उन्हें नियमानुसार हटवाने में भी सहयोग करना चाहिए। इससे मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी। जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता केवल निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक और राजनीतिक कार्यकर्ता का भी दायित्व है। उन्होंने सभी ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटियों से बूथ स्तर पर विशेष अभियान चलाकर मतदाता जागरूकता बढ़ाने और सूची के पुनरीक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। बैठक के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी जागरूकता पोस्टर का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, बृजपाल सिंह, राजीव कपूर, बृजमोहन सिंह सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयोजित बैठक में भाग लेते कांग्रेसी

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID :- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक 1119/20ए0सी0 दिनांक 25/06/2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा (सिंगल बिड) आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें http://www.uktender.gov.in पर दिनांक 04.07.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता (दिन)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड पोखडा में कमलपुर इण्टर कॉलेज से संगलाकोटी झूलापुल तक मोटर मार्ग में सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 1.050 कि0मी0)	141000.00	4000.00+ 18% GST	90	09	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर
2	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड पोखडा में नाई-धसमानी मोटर मार्ग में सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 1.200 कि0मी0)	155000.00	4000.00+ 18% GST	90	09	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर
3	राज्य योजना (अनावासीय भवन) के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधान सभा के अन्तर्गत पाबौ ब्लॉक के सीकू में स्थित निरीक्षण भवन में डोरमेट्री का निर्माण कार्य।	82000.00	4000.00+ 18% GST	90	09	लोक निर्माण विभाग भवन कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर

शर्तें

1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त / स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
2- निविदा शुल्क की धनराशि एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।
3- निविदादाता को सभी अभिलेख ऑन लाईन अपलोड करने हैं, कार्यालय में कोई भी अभिलेख मूल में जमा नहीं किया जाना है।
4- नॉन शेड्यूल बैंक की एफ0डी0आर0 स्वीकृत नहीं की जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

(027/57)

परिवर्तन संकल्प सम्मेलन की सफलता को लेकर कांग्रेस की बैठक

पुरोला। आगामी 29 जून को पुरोला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले परिवर्तन संकल्प सम्मेलन को सफल बनाने के लिए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पुरोला की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें सम्मेलन की तैयारियों, सम्मेलन की तैयारियों, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। बृहस्पवितार को ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्मेलन के प्रचार–प्रसार में जुटने और क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक पहुंचकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कहा कि उत्तराखंड कांग्रेस की चुनाव प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह चौहान के निर्देशानुसार यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश एवं क्षेत्र की जनसमस्याओं, विकास संबंधी मुद्दों और संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प को जनता के समक्ष रखा जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे 29 जून को आयोजित परिवर्तन संकल्प सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस मौके पर बिहारी लाल शाह, हरिमोहन जुवांठा, दर्मियान पंवार, प्रकाश कुमार, गजेंद्र नेगी, विष्णु चौहान, रेखा नौटियाल जोशी, भरत आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है।इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं।

टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (ष्ड्डद्यद्ब) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

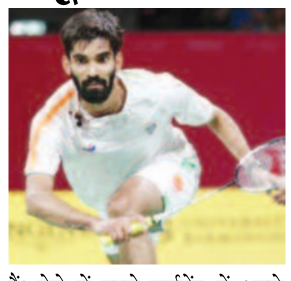

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

स्विट्जरलैंड-कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

वैंकूवर/सिएटल। एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्जरलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने क़तर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एरमिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

नेमार की वापसी अफ्रीका ने रचा इतिहास

मोरक्को-ब्राजील नॉकआउट में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 का 14वां दिन रोमांच से भरपूर रहा। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई, जबकि नेमार ने चोट से वापसी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। मोरक्को ने हैती के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर अगले दौर की उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, ग्रुप-ए में दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया और विश्वकप के इतिहास में पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई। वहीं, मेक्सिको से हारकर चेकिया विश्वकप से बाहर हो चुका है।

ग्रुप चरण के आखिरी दौर में एक साथ हो रहे मुकाबले

फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण के अंतिम दौर में अब एक ही समय पर दो मुकाबले खेले जा रहे हैं। फीफा ने ग्रुप स्टेज के आखिरी दौर में एक ग्रुप के दोनों मुकाबलों को एक साथ शुरू कराया है ताकि कोई भी टीम दूसरे मैच के परिणाम का फायदा न उठा सके।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। स्टार विंगर विनीशियस जूनियर ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विनीशियस ने मैच के सातवें मिनट में पहला गोल किया और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दाग दिया। उनके साथ मैथियस कुन्हा ने भी एक गोल किया। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खबर नेमार की वापसी रही। पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाने वाले नेमार 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ब्राजील ने ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि स्कॉटलैंड एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रहा।

मोरक्को से हारकर हैती के सपनों पर फेरा पानी

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर ग्रुप-सी में दूसरे स्थान के साथ नॉकआउट दौर में जगह बना ली। हैती ने मुकाबले में दो बार बढ़त हासिल की थी। लेनी जोसेफ ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद अचरफ हाकिमी ने 39वें मिनट में बराबरी दिलाई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद विल्सन इसिडोर ने फिर हैती को बढ़त दिला दी। हालांकि मोरक्को ने हार नहीं मानी। इस्माइल सैबारी ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया और 89वें मिनट में गेस्सीम यासीन ने चौथा गोल दागकर हैती की उम्मीदें समाप्त कर दीं। कतर विश्वकप 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को टीम ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस बार भी लंबी दौड़ तय करने की क्षमता रखती है।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज!

लॉजेन। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है।

फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता।

इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया है कि निलंबन के दौरान एएनएफए और इसके किसी भी सदस्य या अधिकारी को फीफा और एएफसी के किसी भी विकास कार्यक्रम, कोर्स या प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, सभी संबंधित पक्षों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जब तक एएनएफए पर निलंबन लागू है, तब तक उनके साथ या उनकी टीमों के साथ किसी भी प्रकार का खेल संबंध (स्पोर्टिंग कॉन्टैक्ट) न रखा जाए।